

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India



असाधारण

## EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

स. 885 ]  
No. 885]

नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 5, 2001/अग्रहायण 14, 1923

NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 5, 2001/AGRAHAYANA 14, 1923



गृह मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर, 2001

का.आ. 1194(अ).—आतंकवाद निवारण अध्यादेश, 2001 (2001 का 9) की धारा 18 की उपधारा (2) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस आत से संतुष्ट होने के बाद कि (1) कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ इण्डिया (मार्क्सवादी—लैनिनवादी)—पीपल्स वार, इसके सभी गुट तथा फ्रंट संगठन; और (2) माओवादी कम्यूनिस्ट सेन्टर (एमसीसी), इसके सभी गुट तथा फ्रंट संगठन आतंकवाद में संलिप्त हैं, केन्द्र सरकार एतद्वारा उक्त संगठनों को इस आदेश के प्रकाशन की तारीख से उक्त अध्यादेश की अनुसूची में शामिल करती है तथा उक्त अनुसूची निम्न प्रकार से संशोधित हो जाएगी :

अनुसूची

(धारा 18 देखें)

- “24. कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ इण्डिया (मार्क्सवादी—लैनिनवादी)—पीपल्स वार, इसके सभी गुट तथा फ्रंट संगठन।
25. माओवादी कम्यूनिस्ट सेन्टर (एमसीसी), इसके सभी गुट तथा फ्रंट संगठन”।

[फा. सं. II-13014/10/2001-लीगल सैल]

ए. के. जैन, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## ORDER

New Delhi, the 5th December, 2001

S. O. 1194(E).—In exercise of the powers conferred by clause (a) of Sub-section (2) of Section 18 of the Prevention of Terrorism Ordinance, 2001 (9 of 2001), and on being satisfied that (1) the Communist Party of India (Marxist—Leninist)—People's War, all its formations and front organisations; and (2) the Maoist Communist Centre (MCC), all its formations and front organisations are involved in terrorism, the Central Government hereby adds the organisations aforesaid to the Schedule to the said Ordinance with effect from the date of publication of this Order, and the said Schedule shall stand amended as under :

## SCHEDULE

(See Section 18)

- “24. Communist Party of India (Marxist—Leninist)—People's War, all its formations and front organisations.
25. Maoist Communist Centre (MCC), all its formations and front organisations”.

[F. No. II-13014/10/2001-Legal Cell]

A. K. JAIN, Jr. Secy.

